

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | 32 | 33 | 34 | 35 | 36 | 37 | 38 | 39 | 40 | 41 | 42 | 43 | 44 | 45 | 46 | 47 | 48 | 49 | 50 | 51 | 52 | 53 | 54 | 55 | 56 | 57 | 58 | 59 | 60 | 61 | 62 | 63 | 64 | 65 | 66 | 67 | 68 | 69 | 70 | 71 | 72 | 73 | 74 | 75 | 76 | 77 | 78 | 79 | 80 | 81 | 82 | 83 | 84 | 85 | 86 | 87 | 88 | 89 | 90 | 91 | 92 | 93 | 94 | 95 | 96 | 97 | 98 | 99 | 100 | 101 | 102 | 103 | 104 | 105 | 106 | 107 | 108 | 109 | 110 | 111 | 112 | 113 | 114 | 115 | 116 | 117 | 118 | 119 | 120 | 121 | 122 | 123 | 124 | 125 | 126 | 127 | 128 | 129 | 130 | 131 | 132 | 133 | 134 | 135 | 136 | 137 | 138 | 139 | 140 | 141 | 142 | 143 | 144 | 145 | 146 | 147 | 148 | 149 | 150 | 151 | 152 | 153 | 154 | 155 | 156 | 157 | 158 | 159 | 160 | 161 | 162 | 163 | 164 | 165 | 166 | 167 | 168 | 169 | 170 | 171 | 172 | 173 | 174 | 175 | 176 | 177 | 178 | 179 | 180 | 181 | 182 | 183 | 184 | 185 | 186 | 187 | 188 | 189 | 190 | 191 | 192 | 193 | 194 | 195 | 196 | 197 | 198 | 199 | 200 | 201 | 202 | 203 | 204 | 205 | 206 | 207 | 208 | 209 | 210 | 211 | 212 | 213 | 214 | 215 | 216 | 217 | 218 | 219 | 220 | 221 | 222 | 223 | 224 | 225 | 226 | 227 | 228 | 229 | 230 | 231 | 232 | 233 | 234 | 235 | 236 | 237 | 238 | 239 | 240 | 241 | 242 | 243 | 244 | 245 | 246 | 247 | 248 | 249 | 250 | 251 | 252 | 253 | 254 | 255 | 256 | 257 | 258 | 259 | 260 | 261 | 262 | 263 | 264 | 265 | 266 | 267 | 268 | 269 | 270 | 271 | 272 | 273 | 274 | 275 | 276 | 277 | 278 | 279 | 280 | 281 | 282 | 283 | 284 | 285 | 286 | 287 | 288 | 289 | 290 | 291 | 292 | 293 | 294 | 295 | 296 | 297 | 298 | 299 | 300 | 301 | 302 | 303 | 304 | 305 | 306 | 307 | 308 | 309 | 310 | 311 | 312 | 313 | 314 | 315 | 316 | 317 | 318 | 319 | 320 | 321 | 322 | 323 | 324 | 325 | 326 | 327 | 328 | 329 | 330 | 331 | 332 | 333 | 334 | 335 | 336 | 337 | 338 | 339 | 340 | 341 | 342 | 343 | 344 | 345 | 346 | 347 | 348 | 349 | 350 | 351 | 352 | 353 | 354 | 355 | 356 | 357 | 358 | 359 | 360 | 361 | 362 | 363 | 364 | 365 | 366 | 367 | 368 | 369 | 370 | 371 | 372 | 373 | 374 | 375 | 376 | 377 | 378 | 379 | 380 | 381 | 382 | 383 | 384 | 385 | 386 | 387 | 388 | 389 | 390 | 391 | 392 | 393 | 394 | 395 | 396 | 397 | 398 | 399 | 400 | 401 | 402 | 403 | 404 | 405 | 406 | 407 | 408 | 409 | 410 | 411 | 412 | 413 | 414 | 415 | 416 | 417 | 418 | 419 | 420 | 421 | 422 | 423 | 424 | 425 | 426 | 427 | 428 | 429 | 430 | 431 | 432 | 433 | 434 | 435 | 436 | 437 | 438 | 439 | 440 | 441 | 442 | 443 | 444 | 445 | 446 | 447 | 448 | 449 | 450 | 451 | 452 | 453 | 454 | 455 | 456 | 457 | 458 | 459 | 460 | 461 | 462 | 463 | 464 | 465 | 466 | 467 | 468 | 469 | 470 | 471 | 472 | 473 | 474 | 475 | 476 | 477 | 478 | 479 | 480 | 481 | 482 | 483 | 484 | 485 | 486 | 487 | 488 | 489 | 490 | 491 | 492 | 493 | 494 | 495 | 496 | 497 | 498 | 499 | 500 | 501 | 502 | 503 | 504 | 505 | 506 | 507 | 508 | 509 | 510 | 511 | 512 | 513 | 514 | 515 | 516 | 517 | 518 | 519 | 520 | 521 | 522 | 523 | 524 | 525 | 526 | 527 | 528 | 529 | 530 | 531 | 532 | 533 | 534 | 535 | 536 | 537 | 538 | 539 | 540 | 541 | 542 | 543 | 544 | 545 | 546 | 547 | 548 | 549 | 550 | 551 | 552 | 553 | 554 | 555 | 556 | 557 | 558 | 559 | 560 | 561 | 562 | 563 | 564 | 565 | 566 | 567 | 568 | 569 | 570 | 571 | 572 | 573 | 574 | 575 | 576 | 577 | 578 | 579 | 580 | 581 | 582 | 583 | 584 | 585 | 586 | 587 | 588 | 589 | 590 | 591 | 592 | 593 | 594 | 595 | 596 | 597 | 598 | 599 | 600 | 601 | 602 | 603 | 604 | 605 | 606 | 607 | 608 | 609 | 610 | 611 | 612 | 613 | 614 | 615 | 616 | 617 | 618 | 619 | 620 | 621 | 622 | 623 | 624 | 625 | 626 | 627 | 628 | 629 | 630 | 631 | 632 | 633 | 634 | 635 | 636 | 637 | 638 | 639 | 640 | 641 | 642 | 643 | 644 | 645 | 646 | 647 | 648 | 649 | 650 | 651 | 652 | 653 | 654 | 655 | 656 | 657 | 658 | 659 | 660 | 661 | 662 | 663 | 664 | 665 | 666 | 667 | 668 | 669 | 670 | 671 | 672 | 673 | 674 | 675 | 676 | 677 | 678 | 679 | 680 | 681 | 682 | 683 | 684 | 685 | 686 | 687 | 688 | 689 | 690 | 691 | 692 | 693 | 694 | 695 | 696 | 697 | 698 | 699 | 700 | 701 | 702 | 703 | 704 | 705 | 706 | 707 | 708 | 709 | 710 | 711 | 712 | 713 | 714 | 715 | 716 | 717 | 718 | 719 | 720 | 721 | 722 | 723 | 724 | 725 | 726 | 727 | 728 | 729 | 730 | 731 | 732 | 733 | 734 | 735 | 736 | 737 | 738 | 739 | 740 | 741 | 742 | 743 | 744 | 745 | 746 | 747 | 748 | 749 | 750 | 751 | 752 | 753 | 754 | 755 | 756 | 757 | 758 | 759 | 760 | 761 | 762 | 763 | 764 | 765 | 766 | 767 | 768 | 769 | 770 | 771 | 772 | 773 | 774 | 775 | 776 | 777 | 778 | 779 | 780 | 781 | 782 | 783 | 784 | 785 | 786 | 787 | 788 | 789 | 790 | 791 | 792 | 793 | 794 | 795 | 796 | 797 | 798 | 799 | 800 | 801 | 802 | 803 | 804 | 805 | 806 | 807 | 808 | 809 | 810 | 811 | 812 | 813 | 814 | 815 | 816 | 817 | 818 | 819 | 820 | 821 | 822 | 823 | 824 | 825 | 826 | 827 | 828 | 829 | 830 | 831 | 832 | 833 | 834 | 835 | 836 | 837 | 838 | 839 | 840 | 841 | 842 | 843 | 844 | 845 | 846 | 847 | 848 | 849 | 850 | 851 | 852 | 853 | 854 | 855 | 856 | 857 | 858 | 859 | 860 | 861 | 862 | 863 | 864 | 865 | 866 | 867 | 868 | 869 | 870 | 871 | 872 | 873 | 874 | 875 | 876 | 877 | 878 | 879 | 880 | 881 | 882 | 883 | 884 | 885 | 886 | 887 | 888 | 889 | 890 | 891 | 892 | 893 | 894 | 895 | 896 | 897 | 898 | 899 | 900 | 901 | 902 | 903 | 904 | 905 | 906 | 907 | 908 | 909 | 910 | 911 | 912 | 913 | 914 | 915 | 916 | 917 | 918 | 919 | 920 | 921 | 922 | 923 | 924 | 925 | 926 | 927 | 928 | 929 | 930 | 931 | 932 | 933 | 934 | 935 | 936 | 937 | 938 | 939 | 940 | 941 | 942 | 943 | 944 | 945 | 946 | 947 | 948 | 949 | 950 | 951 | 952 | 953 | 954 | 955 | 956 | 957 | 958 | 959 | 960 | 961 | 962 | 963 | 964 | 965 | 966 | 967 | 968 | 969 | 970 | 971 | 972 | 973 | 974 | 975 | 976 | 977 | 978 | 979 | 980 | 981 | 982 | 983 | 984 | 985 | 986 | 987 | 988 | 989 | 990 | 991 | 992 | 993 | 994 | 995 | 996 | 997 | 998 | 999 | 1000 | 1001 | 1002 | 1003 | 1004 | 1005 | 1006 | 1007 | 1008 | 1009 | 1010 | 1011 | 1012 | 1013 | 1014 | 1015 | 1016 | 1017 | 1018 | 1019 | 1020 | 1021 | 1022 | 1023 | 1024 | 1025 | 1026 | 1027 | 1028 | 1029 | 1030 | 1031 | 1032 | 1033 | 1034 | 1035 | 1036 | 1037 | 1038 | 1039 | 1040 | 1041 | 1042 | 1043 | 1044 | 1045 | 1046 | 1047 | 1048 | 1049 | 1050 | 1051 | 1052 | 1053 | 1054 | 1055 | 1056 | 1057 | 1058 | 1059 | 1060 | 1061 | 1062 | 1063 | 1064 | 1065 | 1066 | 1067 | 1068 | 1069 | 1070 | 1071 | 1072 | 1073 | 1074 | 1075 | 1076 | 1077 | 1078 | 1079 | 1080 | 1081 | 1082 | 1083 | 1084 | 1085 | 1086 | 1087 | 1088 | 1089 | 1090 | 1091 | 1092 | 1093 | 1094 | 1095 | 1096 | 1097 | 1098 | 1099 | 1100 | 1101 | 1102 | 1103 | 1104 | 1105 | 1106 | 1107 | 1108 | 1109 | 1110 | 1111 | 1112 | 1113 | 1114 | 1115 | 1116 | 1117 | 1118 | 1119 | 1120 | 1121 | 1122 | 1123 | 1124 | 1125 | 1126 | 1127 | 1128 | 1129 | 1130 | 1131 | 1132 | 1133 | 1134 | 1135 | 1136 | 1137 | 1138 | 1139 | 1140 | 1141 | 1142 | 1143 | 1144 | 1145 | 1146 | 1147 | 1148 | 1149 | 1150 | 1151 | 1152 | 1153 | 1154 | 1155 | 1156 | 1157 | 1158 | 1159 | 1160 | 1161 | 1162 | 1163 | 1164 | 1165 | 1166 | 1167 | 1168 | 1169 | 1170 | 1171 | 1172 | 1173 | 1174 | 1175 | 1176 | 1177 | 1178 | 1179 | 1180 | 1181 | 1182 | 1183 | 1184 | 1185 | 1186 | 1187 | 1188 | 1189 | 1190 | 1191 | 1192 | 1193 | 1194 | 1195 | 1196 | 1197 | 1198 | 1199 | 1200 | 1201 | 1202 | 1203 | 1204 | 1205 | 1206 | 1207 | 1208 | 1209 | 1210 | 1211 | 1212 | 1213 | 1214 | 1215 | 1216 | 1217 | 1218 | 1219 | 1220 | 1221 | 1222 | 1223 | 1224 | 1225 | 1226 | 1227 | 1228 | 1229 | 1230 | 1231 | 1232 | 1233 | 1234 | 1235 | 1236 | 1237 | 1238 | 1239 | 1240 | 1241 | 1242 | 1243 | 1244 | 1245 | 1246 | 1247 | 1248 | 1249 | 1250 | 1251 | 1252 | 1253 | 1254 | 1255 | 1256 | 1257 | 1258 | 1259 | 1260 | 1261 | 1262 | 1263 | 1264 | 1265 | 1266 | 1267 | 1268 | 1269 | 1270 | 1271 | 1272 | 1273 | 1274 | 1275 | 1276 | 1277 | 1278 | 1279 | 1280 | 1281 | 1282 | 1283 | 1284 | 1285 | 1286 | 1287 | 1288 | 1289 | 1290 | 1291 | 1292 | 1293 | 1294 | 1295 | 1296 | 1297 | 1298 | 1299 | 1300 | 1301 | 1302 | 1303 | 1304 | 1305 | 1306 | 1307 | 1308 | 1309 | 1310 | 1311 | 1312 | 1313 | 1314 | 1315 | 1316 | 1317 | 1318 | 1319 | 1320 | 1321 | 1322 | 1323 | 1324 | 1325 | 1326 | 1327 | 1328 | 1329 | 1330 | 1331 | 1332 | 1333 | 1334 | 1335 | 1336 | 1337 | 1338 | 1339 | 1340 | 1341 | 1342 | 1343 | 1344 | 1345 | 1346 | 1347 | 1348 | 1349 | 1350 | 1351 | 1352 | 1353 | 1354 | 1355 | 1356 | 1357 | 1358 | 1359 | 1360 | 1361 | 1362 | 1363 | 1364 | 1365 | 1366 | 1367 | 1368 | 1369 | 1370 | 1371 | 1372 | 1373 | 1374 | 1375 | 1376 | 1377 | 1378 | 1379 | 1380 | 1381 | 1382 | 1383 | 1384 | 1385 | 1386 | 1387 | 1388 | 1389 | 1390 | 1391 | 1392 | 1393 | 1394 | 1395 | 1396 | 1397 | 1398 | 1399 | 1400 | 1401 | 1402 | 1403 | 1404 | 1405 | 1406 | 1407 | 1408 | 1409 | 1410 | 1411 | 1412 | 1413 | 1414 | 1415 | 1416 | 1417 | 1418 | 1419 | 1420 | 1421 | 1422 | 1423 | 1424 | 1425 | 1426 | 1427 | 1428 | 1429 | 1430 | 1431 | 1432 | 1433 | 1434 | 1435 | 1436 | 1437 | 1438 | 1439 | 1440 | 1441 | 1442 | 1443 | 1444 | 1445 | 1446 | 1447 | 1448 | 1449 | 1450 | 1451 | 1452 | 1453 | 1454 | 1455 | 1456 | 1457 | 1458 | 1459 | 1460 | 1461 | 1462 | 1463 | 1464 | 1465 | 1466 | 1467 | 1468 | 1469 | 1470 | 1471 | 1472 | 1473 | 1474 | 1475 | 1476 | 1477 | 1478 | 1479 | 1480 | 1481 | 1482 | 1483 | 1484 | 1485 | 1486 | 1487 | 1488 | 1489 | 1490 | 1491 | 1492 | 1493 | 1494 | 1495 | 1 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|-----|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|------|---|

Harmonogram pracy

Imię i nazwisko pracownika:

Stanowisko:

Miesiąc i rok:

marzec 2016

Nadgodziny

☐ Tak

☐ Nie

Godzin



| Lp. | Dzień tygodnia | Planowane godziny pracy | Planowana przerwa | Uwagi |
|-----|----------------|-------------------------|-------------------|-------|
| 1. | Wt. | | - | |
| 2. | Śr. | | - | |
| 3. | Czw. | | - | |
| 4. | Pt | | - | |
| 5. | Sob. | | - | |
| 6. | Nd | | - | |
| 7. | Pon. | | - | |
| 8. | Wt. | | - | |
| 9. | Śr. | | - | |
| 10. | Czw. | | - | |
| 11. | Pt | | - | |
| 12. | Sob. | | - | |
| 13. | Nd | | - | |
| 14. | Pon. | | - | |
| 15. | Wt. | | - | |
| 16. | Śr. | | - | |
| 17. | Czw. | | - | |

V

| | | | | |
|-----|------|--|---|--|
| 18. | Czw. | | - | |
| 19. | Pt | | - | |
| 20. | Sob. | | - | |
| 21. | Nd | | - | |
| 22. | Pon. | | - | |
| 23. | Wt. | | - | |
| 24. | Śr. | | - | |
| 25. | Czw. | | - | |
| 26. | Pt | | - | |
| 27. | Sob. | | - | |
| 28. | Nd | | - | |
| 29. | Pon. | | - | |

Planowana liczba godziny pracy: 168

Przepracowane godziny: 168

Nadgodziny:

Stan ogółem:

Harmonogram pracy

Imię i nazwisko pracownika:

Stanowisko:



Miesiąc i rok: luty 2016

Nadgodziny

☐ Tak

☐ Nie

Godzin

| Lp. | Dzień tygodnia | Planowane godziny pracy | Planowana przerwa | Uwagi |
|-----|----------------|-------------------------|-------------------|-------|
| 1. | Pon. | | - | |
| 2. | Wt. | | - | |
| 3. | Śr. | | - | |
| 4. | Czw. | | - | |
| 5. | Pt | | - | |
| 6. | Sob. | | - | |
| 7. | Nd | | - | |
| 8. | Pon. | | - | |
| 9. | Wt. | | - | |
| 10. | Śr. | | - | |
| 11. | Czw. | | - | |
| 12. | Pt | | - | |
| 13. | Sob. | | - | |
| 14. | Nd | | - | |
| 15. | Pon. | | - | |
| 16. | Wt. | | - | |
| 17. | Śr. | | - | |

| | | | | |
|-----|------|--|---|--|
| 18. | Czw. | | - | |
| 19. | Pt | | - | |
| 20. | Sob. | | - | |
| 21. | Nd | | - | |
| 22. | Pon. | | - | |
| 23. | Wt. | | - | |
| 24. | Śr. | | - | |
| 25. | Czw. | | - | |
| 26. | Pt | | - | |
| 27. | Sob. | | - | |
| 28. | Nd | | - | |
| 29. | Pon. | | - | |

Planowana liczba godziny pracy: 168

Przepracowane godziny: 168

Nadgodziny: 0

Stan ogółem: 0

Harmonogram pracy

Imię i nazwisko pracownika:

Stanowisko:



Miesiąc i rok: styczeń 2016

Nadgodziny ☐ Tak ☐ Nie Godzin

| Lp. | Dzień tygodnia | Planowane godziny pracy | Planowana przerwa | Uwagi |
|-----|----------------|-------------------------|-------------------|-------|
| 1. | Pt | | - | |
| 2. | Sob. | | - | |
| 3. | Nd | | - | |
| 4. | Pon. | | - | |
| 5. | Wt. | | - | |
| 6. | Śr. | | - | |
| 7. | Czw. | | - | |
| 8. | Pt | | - | |
| 9. | Sob. | | - | |
| 10. | Nd | | - | |
| 11. | Pon. | | - | |
| 12. | Wt. | | - | |
| 13. | Śr. | | - | |
| 14. | Czw. | | - | |
| 15. | Pt | | - | |
| 16. | Sob. | | - | |
| 17. | Nd | | - | |

| | | | | |
|-----|------|--|---|--|
| 18. | Pon. | | - | |
| 19. | Wt. | | - | |
| 20. | Śr. | | - | |
| 21. | Czw. | | - | |
| 22. | Pt | | - | |
| 23. | Sob. | | - | |
| 24. | Nd | | - | |
| 25. | Pon. | | - | |
| 26. | Wt. | | - | |
| 27. | Śr. | | - | |
| 28. | Czw. | | - | |
| 29. | Pt | | - | |
| 30. | Sob. | | - | |
| 31. | Nd | | - | |

Planowana liczba godziny pracy: 152

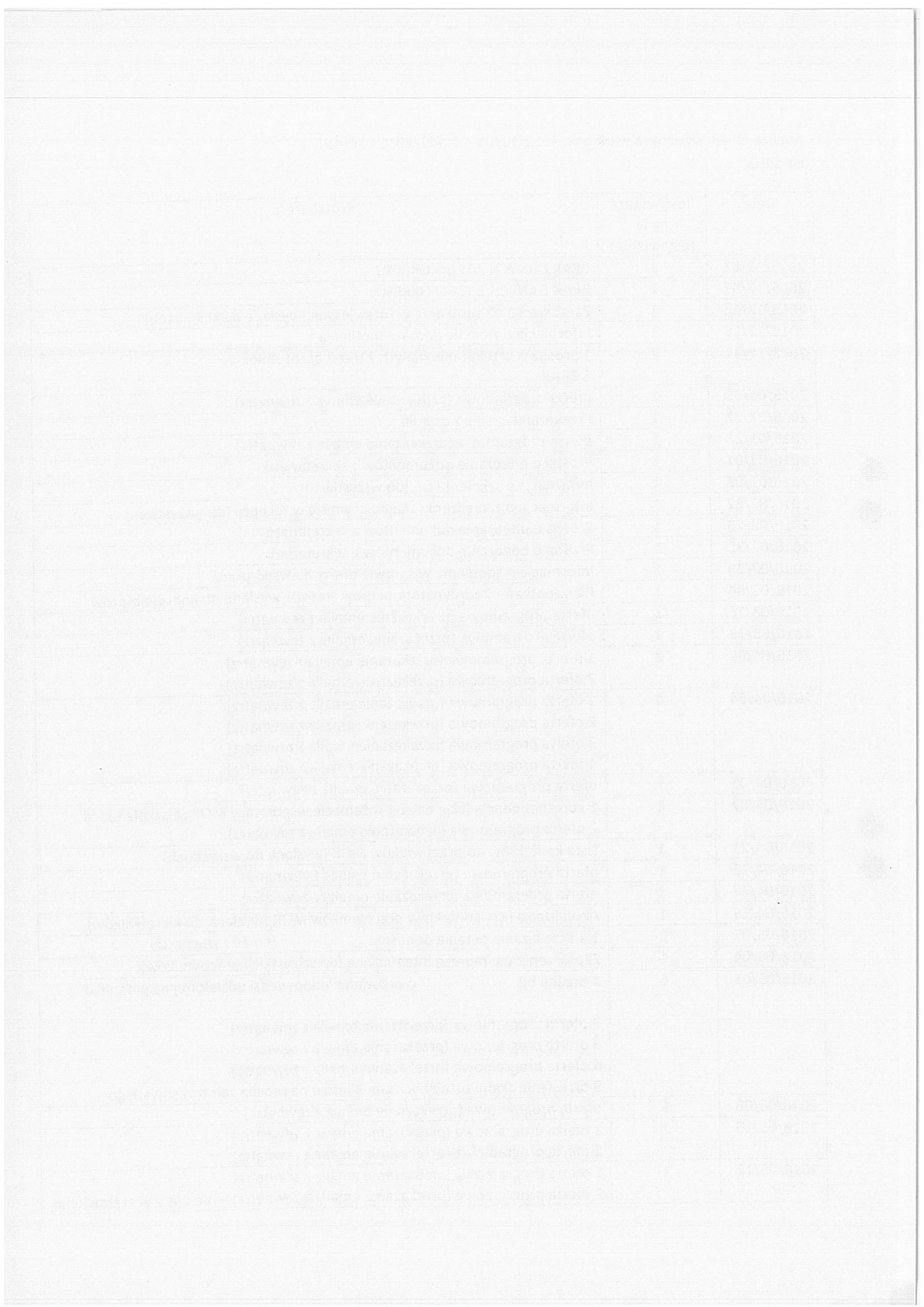
Przepracowane godziny:

Nadgodziny:

Stan ogółem:

Analiza emaili wysłanych w okresie 2015/12/01 – 27/07/2016 z adresu
na adres

| Data | Ilość(wskaza na w zestawieniu) | Krótką treść |
|------------|--------------------------------------|--|
| 2015/12/01 | 1 | BRAK DANYCH Z TEGO OKRESU |
| 2015/12/07 | 2 | BRAK DANYCH Z TEGO OKRESU |
| 2015/12/16 | 1 | Zaproszenie na spotkanie w sprawie OLA (wysłane do kilku osób) |
| 2015/12/18 | 1 | Informacja o zmianie godziny spotkania |
| 2015/12/31 | 2 | 1 prośba o przekazanie danych z treści porozumienia 2 BRAK |
| 2016/01/05 | 1 | oferta programowa (przekazanie emaila z zewnątrz) |
| 2016/01/22 | 1 | Przekazanie pisma z osiedla |
| 2016/01/28 | 1 | oferta programowa (przekazanie emaila z zewnątrz) |
| 2016/02/01 | 1 | Prośba o odebranie dokumentów z sekretariatu |
| 2016/02/08 | 1 | Informacja o szkoleniu OC (do wszystkich) |
| 2016/02/22 | 1 | Informacja o zarządzeniu znajdującym się w recepcji (do wszystkich) |
| 2016/02/23 | 1 | Prośba o odebranie dokumentów z sekretariatu |
| 2016/02/25 | 1 | Prośba o odebranie dokumentów z sekretariatu |
| 2016/02/29 | 1 | Informacja o spotkaniu w sprawie oferty na współpracę |
| 2016/03/04 | 1 | Plan spotkań z koordynatorami programów – wysłane do koordynatorów |
| 2016/03/15 | 1 | oferta programowa (przekazanie emaila z zewnątrz) |
| 2016/03/23 | 1 | oferta programowa (przekazanie emaila z zewnątrz) |
| 2016/04/01 | 2 | 1 oferta programowa (przekazanie emaila z zewnątrz) 2 oferta programowa (przekazanie emaila z zewnątrz) |
| 2016/04/04 | 4 | 1 oferta programowa (przekazanie emaila z zewnątrz) 2 oferta programowa (przekazanie emaila z zewnątrz) 3 oferta programowa (przekazanie emaila z zewnątrz) 4 oferta programowa (przekazanie emaila z zewnątrz) |
| 2016/04/05 | 1 | oferta programowa (przekazanie emaila z zewnątrz) |
| 2016/04/07 | 2 | 1 korespondencja (ciąg dalszy) w temacie współpracy MOK ze szkołą tańca 2 oferta programowa (przekazanie emaila z zewnątrz) |
| 2016/04/21 | 1 | Lista kontaktów do pracowników MOK (wysłana do wszystkich) |
| 2016/04/25 | 1 | oferta programowa (przekazanie emaila z zewnątrz) |
| 2016/04/27 | 1 | oferta programowa (przekazanie emaila z zewnątrz) |
| 2016/04/29 | 1 | Aktualizacja listy kontaktów pracowników MOK (wysłana do kierowników) |
| 2016/05/02 | 2 | 1,2 Przekazanie pytania odnośnie (email z zewnątrz) |
| 2016/05/04 | 1 | Zaproszenie na imprezę integracyjną (do wszystkich pracowników) |
| 2016/05/05 | 5 | 1 prośba od o przesłanie odpowiedzi udzielonej na pytanie o 2 oferta programowa (przekazanie emaila z zewnątrz) 3 oferta programowa (przekazanie emaila z zewnątrz) 4 oferta programowa (przekazanie emaila z zewnątrz) 5 przesłanie skanu ustalonych cen biletów na prośbę zainteresowanego |
| 2016/05/06 | 1 | oferta programowa (przekazanie emaila z zewnątrz) |
| 2016/05/10 | 2 | 1 oferta programowa (przekazanie emaila z zewnątrz) 2 oferta programowa (przekazanie emaila z zewnątrz) |
| 2016/05/12 | 1 | 1 oferta programowa (przekazanie emaila z zewnątrz) 2 oferta programowa (przekazanie emaila z zewnątrz) – nie ujęte w zestawieniu |



| | | |
|------------|---|---|
| 2016/05/16 | 1 | Zapytanie z zewnątrz w kwestii wydarzenia |
| 2016/05/20 | 1 | BRAK |
| 2016/05/23 | 1 | Zaproszenie do udziału w programie rozrywkowym – do wszystkich, z zewnątrz |
| 2016/05/24 | 1 | oferta programowa (przekazanie emaila z zewnątrz) |
| 2016/06/01 | 1 | oferta programowa (przekazanie emaila z zewnątrz) |
| 2016/06/06 | 1 | oferta programowa (przekazanie emaila z zewnątrz) |
| 2016/06/07 | 2 | 1 oferta programowa (przekazanie emaila z zewnątrz) 2 pytanie w sprawie wydarzenia (z zewnątrz) |
| 2016/06/09 | 1 | oferta programowa (przekazanie emaila z zewnątrz) |
| 2016/06/15 | 1 | oferta programowa (przekazanie emaila z zewnątrz) |
| 2015/06/16 | 1 | CV kandydat do pracy |
| 2015/06/17 | 1 | Cd korespondencji do oferty pracy z 16/06 |
| 2016/06/28 | 1 | Informacja o pogrzebie ojca kolegi z pracy |
| 2016/06/29 | 1 | oferta programowa (przekazanie emaila z zewnątrz) |
| 2016/07/04 | 5 | 1 informacja odnośnie kontaktu z kancelarią prawną (wysłana do wszystkich kierowników 2 informacja o spotkaniu – odprawa przed wydarzeniem 3 podziękowania dla wszystkich pracowników 4 BRAK 5 BRAK |
| 2016/07/05 | 1 | Przypomnienie o podpisie pod zarządzeniem (do wszystkich kierowników) |
| 2016/07/06 | 1 | Informacja o naprawie drogi dojazdowej do kamienicy (do wszystkich pracowników) |
| 2016/07/07 | 2 | 1 prośba o przesłanie tematów na zebranie kierowników 2 BRAK |
| 2016/07/08 | 2 | 1 notatki ze spotkania kierowników i koordynatorów 2 BRAK |
| 2016/07/11 | 2 | oferta programowa (przekazanie emaila z zewnątrz) – nie ujęty w zestawieniu |
| 2016/07/12 | 1 | Podziękowanie za współpracę – wysłane do wszystkich |
| 2016/07/15 | 1 | Deklaracja PZU – informacja do wszystkich |
| 2016/07/19 | 2 | 1 prośba o nadesłanie sprawozdań z pracy działów za okres styczeń-czerwiec – do wszystkich kierowników działów 2 link z informacją z NIEKONGRESU ANIMATORÓW KULTURY, wysłany do wszystkich |
| 2016/07/27 | 1 | Podziękowania od Rady Olsztyńskich Seniorów – do wszystkich |

Liczba maili w okresie od 01-12-2015 r. do 27-07-2016 r.

| Data | Dzień tygodnia | ogółem | Maile odebrane | | | | | Maile wysłane | Godziny pracy | Spotkania kierowników i koordinatorów | Inne spotkania |
|------------|----------------|--------|----------------|--------|-------|----------|--------|---------------|---------------|---------------------------------------|----------------|
| | | | poniedziałek | wtorek | środa | czwartek | piątek | | | | |
| 2015-12-01 | wtorek | 15 | | | | | | | | | |
| 2015-12-02 | środa | 9 | | | 1 | 1 | 3 | | | tak | |
| 2015-12-03 | czwartek | 7 | | | | | 1 | | | | |
| 2015-12-04 | piątek | 4 | | | | | 2 | | | | |
| 2015-12-05 | sobota | | | | | | | | | | |
| 2015-12-06 | niedziela | | | | | | | | | | |
| 2015-12-07 | poniedziałek | 13 | | | | 2 | 2 | | | | |
| 2015-12-08 | wtorek | 15 | | | | | 6 | | | | |
| 2015-12-09 | środa | 16 | | | | | 4 | | | | |
| 2015-12-10 | czwartek | 11 | | | | | 1 | | | | |
| 2015-12-11 | piątek | 9 | | | | | 2 | | | | |
| 2015-12-12 | sobota | | | | | | | | | | |
| 2015-12-13 | niedziela | | | | | | | | | | |
| 2015-12-14 | poniedziałek | 9 | | | | | | | | | |
| 2015-12-15 | wtorek | 13 | | | | | | | | | |
| 2015-12-16 | środa | 20 | | | | | | | | | |
| 2015-12-17 | czwartek | 13 | | | 1 | | | | | | |
| 2015-12-18 | piątek | 10 | | | | 1 | 1 | | | | |
| 2015-12-19 | sobota | 2 | | | | | | | | | |
| 2015-12-20 | niedziela | | | | | | | | | | |
| 2015-12-21 | poniedziałek | 14 | | | | | | | | | |
| 2015-12-22 | wtorek | 9 | | | | | | | | | |
| 2015-12-23 | środa | 8 | | | | | | | | | |
| 2015-12-24 | czwartek | | | | | | | 3 | | | |
| 2015-12-25 | piątek | | | | | | | | | | |
| 2015-12-26 | sobota | | | | | | | | | | |
| 2015-12-27 | niedziela | | | | | | | | | | |
| 2015-12-28 | poniedziałek | 10 | | | | | | | | | |
| 2015-12-29 | wtorek | 6 | | | | | | 3 | | | |
| 2015-12-30 | środa | 12 | | | | | | 2 | | | |
| 2015-12-31 | czwartek | 6 | | | | | | 4 | | | |
| 2016-01-01 | piątek | | | | 4 | | | | | | |
| 2016-01-02 | sobota | | | | | | | | | | |
| 2016-01-03 | niedziela | 5 | | | | | | | | | |
| 2016-01-04 | poniedziałek | 26 | | | 2 | | 2 | | | | |
| 2016-01-05 | wtorek | 35 | | | | | 4 | 2 | | | |
| 2016-01-06 | środa | 2 | | | | 1 | | | | | |
| 2016-01-07 | czwartek | 37 | | | | | | | | | |
| 2016-01-08 | piątek | 50 | | | | | 3 | | | | |
| 2016-01-09 | sobota | | | | | | 2 | | | | |
| 2016-01-10 | niedziela | 1 | | | | | | 1 | | | |
| 2016-01-11 | poniedziałek | 12 | | | 1 | | | | | | |
| 2016-01-12 | wtorek | 11 | | | | | | | | | |
| 2016-01-13 | środa | 15 | | | 1 | | | | | tak | |

Liczba maili w okresie od 01-12-2015 r. do 27-07-2016 r.

| Data | Dzień tygodnia | Maile odebrane | | | | | Maile wysłane | Godziny pracy | Spotkania kierowników i koordynatorów | Inne spotkania |
|------------|----------------|----------------|---|---|---|---|---------------|---------------|---------------------------------------|--|
| | | ogółem | 1 | 2 | 3 | 4 | | | | |
| 2016-01-14 | czwartek | 19 | 1 | | | | 6 | | | 8 ⁰⁰ - umówione spotkanie 10 ⁰⁰ - umówione spotkanie |
| 2016-01-15 | piątek | 17 | | | | | 5 | | | |
| 2016-01-16 | sobota | 2 | 2 | | | | 1 | | | |
| 2016-01-17 | niedziela | 18 | | 3 | | | 5 | | | |
| 2016-01-18 | poniedziałek | | | | | | | | | |
| 2016-01-19 | wtorek | 17 | | 1 | | | 13 | | tak - 10 ¹⁵ | 9 ⁰⁰ - umówione spotkanie 9 ³⁰ - umówione spotkanie 9 ⁰⁰ - umówione spotkanie 13 ⁰⁰ - umówione spotkanie |
| 2016-01-20 | środa | 18 | | 1 | | | | | | |
| 2016-01-21 | czwartek | 24 | 2 | 1 | | | 20 | | | |
| 2016-01-22 | piątek | 21 | | | 1 | | 8 | | | |
| 2016-01-23 | sobota | 2 | | | | | | | | |
| 2016-01-24 | niedziela | 19 | | 1 | | | 4 | | | |
| 2016-01-25 | poniedziałek | | | | | | | | | |
| 2016-01-26 | wtorek | 5 | | 2 | | | 3 | | tak - 11 ⁰⁰ | 8 ⁰⁰ - umówione spotkanie 9 ³⁰ - umówione spotkanie 12 ¹⁰ - umówione spotkanie 14 ⁰⁰ - umówione spotkanie |
| 2016-01-27 | środa | 7 | | 1 | | | 4 | | | 8 ⁰⁰ - umówione spotkanie 12 ⁰⁰ - umówione spotkanie 12 ⁰⁰ - umówione spotkanie |
| 2016-01-28 | czwartek | 8 | | 2 | | | 2 | | | |
| 2016-01-29 | piątek | 10 | | 3 | | | 4 | | | |
| 2016-01-30 | sobota | 1 | | | | | | | | |
| 2016-01-31 | niedziela | 7 | 2 | 1 | | | | | | |
| 2016-02-01 | poniedziałek | 25 | 1 | 8 | 1 | 5 | 11 | | | 9 ⁰⁰ - umówione spotkanie 13 ⁰⁰ - umówione spotkanie 8 ⁰⁰ - umówione spotkanie 9 ⁰⁰ - Radio Zet Gold 13 ⁰⁰ - umówione spotkanie |
| 2016-02-02 | wtorek | 18 | | 3 | | 5 | 10 | | | |
| 2016-02-03 | środa | 12 | | 2 | | | 4 | | | |
| 2016-02-04 | czwartek | 11 | 1 | | | 1 | 6 | | | |
| 2016-02-05 | piątek | 13 | | | | 4 | 5 | | | |
| 2016-02-06 | sobota | 3 | 1 | | | | | | | |
| 2016-02-07 | niedziela | 1 | | | | | | | | |
| 2016-02-08 | poniedziałek | 7 | | 1 | | 3 | 4 | | | 10 ⁰⁰ - umówione spotkanie |
| 2016-02-09 | wtorek | 8 | | | | 2 | 4 | | | |
| 2016-02-10 | środa | 16 | | 2 | | 1 | | | | |
| 2016-02-11 | czwartek | 7 | | 1 | | | 2 | | | |
| 2016-02-12 | piątek | 6 | | 1 | | 1 | 2 | | | |
| 2016-02-13 | sobota | | | | | | | | | |
| 2016-02-14 | niedziela | | | | | | | | | |
| 2016-02-15 | poniedziałek | 11 | | | | 1 | 5 | | | |

Liczba maili w okresie od 01-12-2015 r. do 27-07-2016 r.

| Data | Dzień tygodnia | Maile odebrane | | | | | Maile wysłane | Godziny pracy 7 ³⁰ -14 ³⁰ | Spotkania kierowników i koordynatorów | Inne spotkania |
|------------|----------------|----------------|---|---|---|---|---------------|---|---------------------------------------|--|
| | | ogółem | | | | | | | | |
| 2016-02-16 | wtorek | 15 | | | | | 2 | | | |
| 2016-02-17 | środa | 13 | 1 | 2 | | 1 | 9 | | | 12 ⁰⁰ - umówione spotkanie 13 ³⁰ - umówione spotkanie |
| 2016-02-18 | czwartek | 8 | 1 | 1 | | 2 | 2 | | | |
| 2016-02-19 | piątek | 13 | | 1 | | 3 | 7 | | | |
| 2016-02-20 | sobota | 2 | | | | | | | | |
| 2016-02-21 | niedziela | 2 | 1 | | | | | | | |
| 2016-02-22 | poniedziałek | 16 | 2 | 1 | | 2 | 3 | | | 10 ⁰⁰ - umówione spotkanie 7 ³⁰ - umówione spotkanie |
| 2016-02-23 | wtorek | 14 | | 2 | 1 | 1 | 2 | | | |
| 2016-02-24 | środa | 11 | | | | | 10 | | | 12 ⁰⁰ - umówione spotkanie |
| 2016-02-25 | czwartek | 8 | | | 1 | | 4 | | | 12 ⁰⁰ - spotkanie |
| 2016-02-26 | piątek | 6 | | 3 | | 1 | 5 | | | |
| 2016-02-27 | sobota | | | | | | | | | |
| 2016-02-28 | niedziela | 1 | | | | | | | | |
| 2016-02-29 | poniedziałek | 20 | | | 1 | | 8 | | | |
| 2016-03-01 | wtorek | 12 | | 1 | | 2 | 5 | | tak | 7 ³⁰ - umówione spotkanie |
| 2016-03-02 | środa | 21 | 3 | 2 | | 2 | 10 | | | |
| 2016-03-03 | czwartek | 12 | | | | 1 | 6 | | tak | 10 ⁰⁰ - umówione spotkanie 10 ³⁰ - konferencja 11 ³⁰ - TARTAK 13 ¹⁵ - spotkanie zespołu |
| 2016-03-04 | piątek | 7 | | | 1 | 1 | 3 | | tak | |
| 2016-03-05 | sobota | | | | | | | | | |
| 2016-03-06 | niedziela | | | | | | | | | |
| 2016-03-07 | poniedziałek | 7 | 2 | | | | 7 | | tak | 10 ⁰⁰ - spotkanie |
| 2016-03-08 | wtorek | 11 | | 1 | | | 2 | | | |
| 2016-03-09 | środa | 8 | | | | 1 | 6 | | | |
| 2016-03-10 | czwartek | 12 | | 2 | | 3 | 2 | | | 11 ³⁰ - spotkanie Program 13 ⁰⁰ - spotkanie ze studentami I roku |
| 2016-03-11 | piątek | 7 | | 1 | | | 5 | | | |
| 2016-03-12 | sobota | 1 | | | | | | | | |
| 2016-03-13 | niedziela | | | | | | | | | |
| 2016-03-14 | poniedziałek | 25 | | 1 | | 5 | 6 | | | |
| 2016-03-15 | wtorek | 20 | | 2 | 1 | 2 | 9 | | tak | |
| 2016-03-16 | środa | 24 | 1 | 4 | | 1 | 4 | | | 13 ¹⁵ - spotkanie z studentami |
| 2016-03-17 | czwartek | 31 | | 7 | | 5 | 23 | | | 12 ⁰⁰ - spotkanie 13 ⁰⁰ - |

